पैकेजिंग उद्योग बंद होने की कगार पर

नई दिल्ली। उत्तर भारत की क्राफ्ट पेपर मिल्स ने एक माह के अंदर तीन से चार हजार प्रति टन तक की विभिन्न प्रकार के पैकेजिंग पेपर पर बढ़ोतरी कर दी है। इससे पैकेजिंग उद्योग बंद होने के कगार पर आ गया है। संयुक्त कार्यकारी समिति के संयोजक हरीश मदान ने कहा कि पैकेजिंग उद्योग का भविष्य पेपर उद्योग के निर्माताओं के गैर जिम्मेदराना रवैये से अंधकारमय होता जा रहा है।